ASTRO ARPITA NATH

अष्टकूट कुंडली मिलान की व्याख्या

Arpita Nath द्वारा · योग, दोष एवं मिलान · 2026-09-09

वैदिक ज्योतिष में, अष्टकूट कुंडली मिलान विवाह के लिए दो व्यक्तियों के बीच ज्योतिषीय अनुकूलता का मूल्यांकन करने हेतु उपयोग की जाने वाली पारंपरिक 36-गुण मिलान प्रणाली है। मुख्य रूप से दोनों जन्म कुंडलियों में चंद्रमा की स्थिति (जन्म राशि और नक्षत्र) पर आधारित यह परीक्षण भावनात्मक, शारीरिक, वित्तीय और मनोवैज्ञानिक सामंजस्य का आकलन करता है।

यह प्रणाली 8 अलग-अलग कारकों (कूटों) का मूल्यांकन करती है, जिनका कुल योग 36 अंक (गुण) होता है।

8 कूट और अंक विभाजन

1. वर्ण (1 अंक)
• **परीक्षित कारक**: आध्यात्मिक अहंकार, कार्य के प्रति झुकाव और स्वाभाविक स्वभाव।
• **केंद्रित क्षेत्र**: मानसिक अनुकूलता, आपसी सम्मान और दोनों के बीच सामाजिक सामंजस्य।

2. वश्य (2 अंक)
• **परीक्षित कारक**: आपसी आकर्षण, स्नेह और प्रभाव की गतिशीलता।
• **केंद्रित क्षेत्र**: रिश्ते में प्रभाव का संतुलन, भावनात्मक नियंत्रण और स्वाभाविक आकर्षण।

3. तारा (3 अंक)
• **परीक्षित कारक**: जन्म नक्षत्र की अनुकूलता और भाग्य।
• **केंद्रित क्षेत्र**: विवाह के बाद दीर्घकालिक भाग्य, स्वास्थ्य, समृद्धि और साझा दीर्घायु।

4. योनि (4 अंक)
• **परीक्षित कारक**: मूल प्रवृत्तियाँ और शारीरिक लगाव (पशु प्रतीकों द्वारा दर्शाया गया)।
• **केंद्रित क्षेत्र**: यौन अनुकूलता, शारीरिक अंतरंगता और जैविक सामंजस्य।

5. ग्रह मैत्री (5 अंक)
• **परीक्षित कारक**: दोनों साझेदारों के चंद्र राशि स्वामियों के बीच मित्रता।
• **केंद्रित क्षेत्र**: बौद्धिक तालमेल, साझा मूल्य और मनोवैज्ञानिक सामंजस्य।

6. गण (6 अंक)
• **परीक्षित कारक**: व्यावहारिक स्वभाव (देव, मनुष्य या राक्षस)।
• **केंद्रित क्षेत्र**: जीवनशैली का सामंजस्य, दैनिक आदतें, संवाद शैली और दृष्टिकोण।

7. भकूट (7 अंक)
• **परीक्षित कारक**: जन्म चंद्र राशियों की परस्पर स्थिति।
• **केंद्रित क्षेत्र**: भावनात्मक स्वास्थ्य, दीर्घकालिक वित्तीय समृद्धि और परिवार की वृद्धि।

8. नाड़ी (8 अंक)
• **परीक्षित कारक**: शारीरिक, आनुवंशिक और ऊर्जा प्रकृति (आदि, मध्य या अंत्य)।
• **केंद्रित क्षेत्र**: आनुवंशिक अनुकूलता, संतान, समग्र स्वास्थ्य और दीर्घायु।

अंकों का क्या अर्थ है?

• **19 अंक से कम**: अनुशंसित नहीं - प्रतिकूलता या बार-बार विवाद की अत्यधिक संभावना।

• **19 से 23 अंक**: औसत मिलान - स्वीकार्य; इसमें आपसी प्रयास और समझौते की आवश्यकता होती है।

• **23 से 31 अंक**: अच्छा मिलान - एक स्वस्थ, समृद्ध विवाह के लिए मजबूत आधार।

• **32 से 36 अंक**: उत्कृष्ट मिलान - दुर्लभ और अत्यधिक सामंजस्यपूर्ण संबंध।

प्रमुख दोष (अपवाद और चेतावनी संकेत)

उच्च कुल स्कोर होने पर भी, कुछ प्रमुख असंतुलनों (दोषों) का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन आवश्यक है:

• **नाड़ी दोष**: यह तब होता है जब दोनों साथी एक ही नाड़ी (आदि, मध्य या अंत्य) के होते हैं। यह संतान या शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ी संभावित चुनौतियों का संकेत देता है।

• **भकूट दोष**: यह तब होता है जब चंद्र राशियाँ परस्पर 2/12, 5/9, या 6/8 की स्थिति में होती हैं, जिससे वित्तीय या भावनात्मक तनाव उत्पन्न हो सकता है।

• **गण दोष**: यह तब होता है जब स्वभाव में महत्वपूर्ण अंतर या टकराव होता है (जैसे, देव बनाम राक्षस), जिसके कारण दैनिक बातचीत में अधिक धैर्य की आवश्यकता होती है।

नोट: कई दोषों में ग्रहों के स्वामियों, गुरु की दृष्टि या नक्षत्रों की स्थिति के आधार पर विशिष्ट ज्योतिषीय परिहार (दोष भंग) भी होते हैं।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/ashtakoot-kundali-milan/
ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।